माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: I.S.

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 3 0 0 परीक्षा का विषय सा. विज्ञान

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 07/03/09

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
T-1035 -	C

केन्द्र क्रमांक की सील
केन्द्राध्यक्ष
केन्द्र क्रमांक-752006

SECONDARY EDUCATION MP BHOPAL

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक K 1434283

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

1	9	7	5	2	0	5	5	6

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :-

एक	नौ	[illegible]	[illegible]	दो	शून्य	पाँच	पाँच	[illegible]

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में ✗ अंकों में ✗

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 11 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

नाम .... पद ....

पता / संस्था ....

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न है।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

प्रश्न	
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
कु प्रा	

B S E M P

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या मूल्यांकन ... चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। मैंने सभी प्रश्नों के उत्तरों का गहन मूल्यांकन कि... पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 9680164

हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)

दिनांक 31.03.09.

हस्ताक्षर मुख्य परी...

दिनांक 31/3/09

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3

योग पूर्व पृष्ठ

खण्ड "अ"

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न क्रमांक (1) का उत्तर

खण्ड "अ"	उत्तर
(अ) बंकिमचन्द्र चटर्जी	(2) आनन्दमठ ।
(ब) असम - जोरहट	(4) एक सींग वाला गैंडा।
(स) संघ सूची	(5) केन्द्र सरकार ।
(द) लोकसभा का सदस्य	(1) भारत का नागरिक।
(इ) परिवहन एवं संचार	(3) तृतीयक क्षेत्र ।

प्रश्न क्रमांक (2) का उत्तर

(अ) उत्तर ⇒ 400 टन ।
(ब) उत्तर ⇒ चरण पादुका गोलीकांड ।
(स) उत्तर ⇒ राज्यपाल ।
(द) उत्तर ⇒ विनियोग ।
(इ) उत्तर ⇒ मिश्रित आर्थिक प्रणाली ।

प्रश्न क्रमांक (3) का उत्तर

(अ) उत्तर ⇒ (ii) मछली उत्पादन से ।
(ब) उत्तर ⇒ (i) कच्छ ।
(स) उत्तर ⇒ (i) झाबुआ जिले में ।
(द) उत्तर ⇒ (ii) महात्मा गाँधी ने ।
(इ) उत्तर ⇒ (i) प्राथमिक क्षेत्र में ।

ISEMF

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न क्रमांक (4) का उत्तर

(अ) उत्तर=) राजस्थान।

(ब) उत्तर=) बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ।

(स) उत्तर=) लार्ड माउण्टबेटन।

(द) उत्तर=) 230।

(इ) उत्तर=) 20।

प्रश्न क्रमांक (5) का उत्तर

(अ) उत्तर=) असत्य।

(ब) उत्तर=) असत्य।

(स) उत्तर=) असत्य।

(द) उत्तर=) सत्य।

(इ) उत्तर=) सत्य।

B

M

P

प्रश्न क्रमांक (21) का उत्तर

उत्तर=) कश्मीर समस्या=) कश्मीर भारत के उत्तर-पश्चिम सीमा प्रान्त पर स्थित होने के कारण हिन्दुस्तान एवं पाकिस्तान दोनों को जोड़ता है।

22 अक्टूबर, 1947 को उत्तर पश्चिम सीमा प्रान्त पर कबायलियों और अनेक पाकिस्तानियों ने आक्रमण कर दिया। पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर को अपने में मिलाना चाहता था। अतः उसने अपनी सीमा पर सेनाओं

को एकत्रित कर 4 दिनों के भीतर आक्रमण कर कश्मीर से 25 मील दूर बारामूला तक आ गए। कश्मीर के शासक ने आक्रमणकारियों से अपने साम्राज्य की सुरक्षा हेतु भारत सरकार से सैनिक सहायता की माँग की। साथ ही कश्मीर को भारत में सम्मिलित करने की प्रार्थना की। भारत सरकार ने इस प्रस्ताव को स्वीकार किया तथा भारतीय सेना को कश्मीर भेज दिया।

प्रारम्भ में पाकिस्तान ने जम्मू - कश्मीर के बारे में आधिकारिक तौर पर कोई मत व्यक्त नहीं किया था। अतः भारत सरकार ने पाक को कबायलियों का मार्ग बन्द करने को कहा। परन्तु जब इस बात के पुष्ट प्रमाण मिलने लगे कि पाकिस्तान कबायलियों की सहायता कर रहा है। तब गवर्नर जनरल लार्ड माउण्टबेटन की सलाह पर भारत सरकार ने जनवरी, 1948 को सुरक्षा - परिषद में यह शिकायत की कि " कबायलियों ने पाकिस्तान से सहायता प्राप्त करके भारत के एक अंग कश्मीर पर आक्रमण कर दिया है। जिससे अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा एवं शान्ति को खतरा उत्पन्न हो गया है।

सुरक्षा परिषद ने पाँच देशों की सभा बनाकर तनावपूर्ण स्थितियों को नियंत्रित किया और कुछ सलाह दी परन्तु इसका कोई लाभ नहीं हुआ।

P.T.O.

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

पाकिस्तान में जितनी सरकारें आई, सभी ने कश्मीर के प्रश्न को जीवन्त रखने का प्रयास किया। किन्तु भारत के लिए यह उसकी एकता, अखण्डता एवं संप्रभुता का प्रश्न है। पाकिस्तान ने कश्मीर पर अपना अधिकार व्यक्त करते हुए भारत पर 2 बार आक्रमण भी कर चुका है।

यही कश्मीर - समस्या है।

प्रश्न क्रमांक (19) का उत्तर

उत्तर ⇒ मिश्रित अर्थव्यवस्था ⇒ भारतीय योजना आयोग के अनुसार,

" मिश्रित आर्थिक प्रणाली वह प्रणाली है, जिसमें निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र घनिष्ट रूप से संबंधित रहते हैं तथा एक इकाई के दो घटकों के रूप में कार्य करते हैं। "

मिश्रित अर्थव्यवस्था की प्रमुख विशेषताएँ नि. लि. है।

(1) आर्थिक विकास की तीव्र गति ⇒ मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी एवं सार्वजनिक दोनों क्षेत्र मिलकर आर्थिक विकास की गति को तीव्र करने का प्रयास करते हैं।

BSEMP

मध्यप्रदेश

आर्थिक नियोजन के द्वारा संसाधनों का अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में आवंटन कर आर्थिक - विकास की दर को तीव्र करने का प्रयास किया जाता है।

(2) धन का केन्द्रीकरण एवं एकाधिकार पर रोक ⇒ मिश्रित आर्थिक प्रणाली में सरकार निजी व सार्वजनिक क्षेत्रों पर पूर्ण नियंत्रण रखती है। सरकार निजी क्षेत्र की क्रियाओं को सामाजिक हितों में ध्यान में रखकर नियंत्रित करती है तथा जनहित के लिए आवश्यक क्षेत्रों का राष्ट्रीयकरण करके एकाधिकार की स्थिति को समाप्त करती है।

(3) स्वतंत्रता एवं प्रेरणा की उपस्थिति ⇒ इस प्रणाली में लाभ तथा स्वामित्व का अधिकार होने के कारण उत्पादकों एवं व्यक्तियों को कार्य करने की पर्याप्त प्रेरणा मिलती है। इसमें उपभोक्ता को आय अर्जित करने एवं व्यय करने की स्वतंत्रता होती है।

(4) सामाजिक कल्याण ⇒ इस प्रणाली में सरकार अर्थव्यवस्था का संचालन एवं नियंत्रण सामाजिक हित को ध्यान में रखकर करती है। सरकार स्वयं कल्याणकारी गतिविधियों का पालन करती है।

(5) आर्थिक विषमता में कमी ⇒ इस प्रणाली में सरकार आर्थिक विषमता को कम करने के लिए धनी व्यक्तियों पर कर लगाकर, आय

B S E M

पृष्ठ के अंकों का योग

मध्यप्रदेश

प्राप्त करती है तथा इसे गरीब व्यक्तियों को सुविधाएँ प्रदान करने में व्यय करती है।

प्रश्न क्रमांक (18) का उत्तर [अथवा]

उत्तर ⇒ उपभोक्ता शोषण के प्रमुख प्रकार नि. लि. हैं।

(1) ऊँची कीमतें ⇒ प्रायः दुकानदार निर्धारित फुटकर कीमत से अधिक मनमानी कीमत वसूल करते हैं। जब उन्हें छपी हुई कीमत बताते हैं तो वे अनेक कारण बता देते हैं जैसे - स्थानीय कर।

(2) मिलावट व अशुद्धता ⇒ मिलावट का अर्थ है - किसी वस्तु में कोई सस्ती वस्तु मिला देना। जैसे - चावल में सफेद कंकड़, मसालों में रंग, तुअर दाल में खेसरी की दाल आदि मिला दिया जाता है। कभी-2 तो व्यक्ति मिलावटी खाद्य पदार्थों के उपभोग से हाथ - पैर से भी लाचार हो जाता है।

(3) सीमित जानकारी ⇒ कभी-2 विक्रेता उपभोक्ता को वस्तु के संबंध में अनेक जानकारियाँ जैसे - कीमत, मात्रा, प्रभाव आदि के बारे में पूर्ण जानकारी नहीं देते हैं। जिससे उपभोक्ता शोषण होता है।

B
S
E
M
P

(4) जमाखोरी, कृत्रिम अभाव, कालाबाजारी ⇒ कभी-2 त्यौहारों, पर्व आदि पर व्यापारी नाजायज लाभ कमाने के उद्देश्य से वस्तुओं को अवैध रूप से जमा करके, बाजार में उसका कृत्रिम अभाव उत्पन्न कर देता है तथा फिर कालाबाजारी करके वस्तुओं को ऊँची कीमत में बेचता है। जैसे - चीनी व मिट्टी का तेल।

(5) माप-तौल में गड़बड़ ⇒ माप-तौल में विक्रेता अनेक प्रकार से घपला करता है। जैसे बाट का निचला तला खोखला होना, लीटर का निचला तला मोटा या उठा हुआ होना, पलड़े के नीचे चुंबक लगा देना। इस प्रकार उपभोक्ता जितना भुगतान करता है उसके बदले में वस्तु की उचित मात्रा उसे प्राप्त नहीं हो पाती है।

यही उपभोक्ता शोषण के प्रमुख प्रकार हैं।

प्रश्न क्रमांक (17) का उत्तर [अथवा]

उत्तर ⇒ बेरोजगारी को दूर नहीं किया जा सकता। इसे केवल नियंत्रित किया जा सकता है। इसके प्रमुख उपाय नि. लि. हैं।

(1) जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण ⇒ बेरोजगारी को कम करने के लिए जनसंख्या-वृद्धि को नियंत्रित करना आवश्यक है। इससे

P.T.O.

M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

श्रमिकों की पूर्ति क्षमता में कमी होगी। रोजगार के अवसरों में वृद्धि के साथ-2 यह भी अत्यंत आवश्यक है।

(2) लघु व कुटीर उद्योगों का विकास ⇒ ये उद्योग थोड़ी-सी पूँजी की सहायता से परिवार के सदस्यों द्वारा घर पर ही चलाए जा सकते हैं। इनके द्वारा व्यक्ति अपनी योग्यता, क्षमता एवं कौशल से आय व रोजगार दोनों प्राप्त कर सकता है।

(3) व्यवसायिक शिक्षा ⇒ हमें अपनी शिक्षा प्रणाली को रोजगार उन्मुख बनाना होगा। छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार व्यव-सायिक शिक्षा चुनने पर जोर देना होगा। जिससे वे शिक्षा प्राप्त कर संबंधित व्यवसाय से जुड़ सकें। इससे रोजगार में वृद्धि हो सकेगी।

(4) विनियोग में वृद्धि ⇒ सार्वजनिक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पूँजी का विनियोग करके बेरोजगारी को कम किया जा सकता है। निजी क्षेत्रों के बड़े उद्योगों को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जो श्रम प्रधान हो। इससे सभी को रोजगार मिल सकेगा।

(5) प्रशिक्षण सुविधाएँ ⇒ अकुशल श्रमिकों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए

B S E M

पृष्ठ के अंकों का योग

जगह -2 प्रशिक्षण केन्द्र खोलना चाहिए। जिससे उत्पादन एवं रोजगार में वृद्धि हो सके। इसके साथ ही श्रम को गतिशीलता प्रदान करना चाहिए ताकि लोग दूसरे स्थान जाकर भी रोजगार प्राप्त कर सकें।

प्रश्न क्रमांक (16) का उत्तर

उत्तर => भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ नि. लि. हैं।

(1) लिखित एवं निर्मित संविधान => भारत का संविधान पूर्णतः लिखित एवं निर्मित संविधान है। जिसका निर्माण विधिवत् गठित संविधान सभा द्वारा किया गया है। भारत का संविधान विश्व का सबसे विशाल संविधान है। वर्तमान भारतीय संविधान में 395 अनुच्छेद व 12 अनुसूचियाँ हैं। जो 22 भागों में विभाजित हैं।

(2) कठोर एवं लचीलेपन का सम्मिश्रण => भारत के संविधान में संशोधन तो किया जा सकता है, परन्तु उसके लिए बहुत जटिल प्रक्रिया अपनाई जाती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि भारत का संविधान कठोर एवं लचीलेपन का सम्मिश्रण है।

P.T.O.

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(3) संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न => संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न का अर्थ है कि भारत अपनी आंतरिक एवं बाह्य नीतियों का निर्धारण स्वयं करेगा। उस पर किसी अन्य विदेशी सत्ता का दबाव नहीं रहेगा। भारत अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अपनी इच्छानुसार कार्य व व्यवहार करेगा।

(4) संसदीय शासन प्रणाली => भारतीय संविधान ने संसदीय शासन प्रणाली को अपनाया है। जिसके अनुसार कार्यपालिका की वास्तविक शक्ति मंत्रिपरिषद् में निहित होती है और राष्ट्रपति नाम मात्र का शासक होता है। मंत्रिपरिषद सामूहिक उत्तरदायित्व का वहन करती है।

(5) संघात्मक शासन => भारतीय संविधान के अनुसार भारत राज्यों का एक संघ है। इस प्रकार भारत में संघात्मक शासन व्यवस्था की स्थापना की गई है। भारतीय संविधान ने शासन की शक्ति एक स्थान पर केन्द्रित न कर उसे राज्य व संघ सरकारों में विभाजित किया है और दोनों ही अपने-2 क्षेत्र में कार्य करने के लिए स्वतंत्र हैं।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न क्रमांक (15) का उत्तर

उत्तर ⇒ भारतीय स्वाधीनता अधिनियम ⇒ लार्ड माउण्टबेटन की योजनानुसार सरकार ने सत्ता के हस्तनांतरण की कार्यवाही को पूर्ण करने के लिए "भारतीय स्वाधीनता अधिनियम" का प्रारूप तैयार किया। इस प्रारूप को कांग्रेस तथा मुस्लिम लीग के अनुमोदन के लिए भेज दिया गया तथा स्वीकृति के पश्चात इसे ब्रिटिश संसद ने पारित किया।

भारतीय स्वाधीनता के प्रारूप के अधिनियम ने 18 जुलाई 1947 को कानून का रूप ले लिया। इसमें 20 धाराएँ तथा 2 परिशिष्ट हैं। इसके प्रमुख प्रावधान निम्नानुसार हैं।

(1) भारत को दो अधिराज्यों, हिन्दुस्तान तथा पाकिस्तान में विभाजित किया जाना था। गवर्नर जनरल ने 15 अगस्त, 1947 को भारत का शासन भारतीय नेताओं को सौंपा जाना तय किया।

(2) दोनों अधिराज्यों में एक-2 गवर्नर जनरल होगा। जिसकी नियुक्ति ब्रिटिश सम्राट करेंगे।

(3) दोनों अधिराज्यों की सीमाएँ निर्धारित की गई। इसके साथ ही जनमत संग्रह

P.T.O.

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

के आधार पर पंजाब, असम एवं बिहार राज्य की सीमाएँ निर्धारित की गई तथा इसके विभाजन संबंधी बातें तय की गई।

(4) दोनों अधिराज्यों की संविधान सभाओं को अपना-2 संविधान बनाने का पूर्ण अधिकार था। जब तक दोनों अधिराज्य नया संविधान नहीं बना लेते, तब तक भारत-शासन-अधिनियम-1935 के अनुसार ही शासन होना था।

(5) भारत सचिव का पद समाप्त करके उसके स्थान पर राष्ट्रमण्डल सचिव की नियुक्ति की जानी थी।

प्रश्न क्रमांक (14) का उत्तर [अथवा]

उत्तर => भारत में उग्र राष्ट्रवाद के उदय के प्रमुख कारण नि. लि. थे।

(1) ब्रिटिश सरकार की आर्थिक शोषण की नीति => ब्रिटिश सरकार की आर्थिक शोषण की नीति के कारण भारतीय कुटीर उद्योगों को काफी नुकसान हुआ। ब्रिटिश आर्थिक नीति पूँजीपतियों के हित संरक्षण की थी। इंग्लैण्ड में निर्मित वस्तुओं पर से आयात कर समाप्त कर उन्हें भारत में बेचा जाने लगा। इससे भारत का आर्थिक ढाँचा

SEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(2) 19 वीं शताब्दी के आंदोलन ⇒ 19 वीं शताब्दी के सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक आंदोलनों ने भारतीय जनमानस को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने के लिए सतत प्रेरित किया। इन्होंने भारतीयों में आत्मविश्वास, गौरव एवं स्वाभिमान की भावना का संचार किया।

(3) प्राकृतिक प्रकोप ⇒ 19 वीं सदी में भारत को अनेक प्राकृतिक विपदाओं का सामना करना पड़ा। अकाल के समय भारत की ब्रिटिश सरकार दिल्ली के शानदार आयोजन में व्यस्त थी। सन् 1896 में बम्बई में प्लेग फैला। दुर्भिक्ष एवं प्लेग तथा इनके प्रति सरकार के उपेक्षापूर्ण रवैए ने भारत में उग्रराष्ट्रवाद के विकास को बढ़ावा दिया।

(4) पाश्चात्य संस्कृति एवं विदेशी आंदोलनों का प्रभाव ⇒ अंग्रेजी शिक्षा का ज्ञान होने के कारण भारतीय क्रांतिकारी विचारों से अवगत हुए। रूसो, वाल्टेयर, बर्क, मैज़िनी एवं गैरीबाल्डी के विचारों ने उन्हें अत्यधिक प्रभावित किया। 1896 में इटली पर एबीसीनिया की विजय एवं 1905 में जापान की रूस पर विजय ने भारतीयों में उत्साह का संचार किया।

(5) बंगाल विभाजन ⇒ सन् 1905 में लार्ड

P.T.O.

BSFMP

कर्जन ने बंगाल को दो भागों में विभाजित कर दिया। उसने बंगाल की एकता को आघात पहुँचाने एवं हिन्दू-मुसलमानों में सदैव के लिए फूट डालने के उद्देश्य से यह कुटिल षड्यंत्र रचा था। उससे बंगाल में विस्फोटक स्थिति उत्पन्न हो गई थी।

प्रश्न क्रमांक (13) का उत्तर [अथवा]

(i) सूर्य का प्रकाश -
(ii) सबल समीर
(iii) झंझा
(iv) वर्षा
(v) हिम

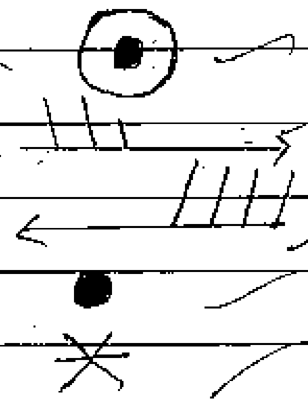

प्रश्न क्रमांक (10) का उत्तर [अथवा]

उत्तर => भारत-चीन युद्ध के नि. लि. परिणाम निकले।
(i) भारत-चीन संबंध तनावपूर्ण हुए।
(ii) भारत के एक बड़े भूभाग पर चीन का कब्जा हो गया।
(iii) भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि एवं गुट-निरपेक्षता की नीति आघात आहत हुई।
(iv) भारत की विदेश नीति में आदर्शवाद

के स्थान पर यथार्थवाद एवं व्यवहारिकता को स्थान मिला।

(v) भारत - अमेरिका नवीन संबंध स्थापित हुए।

(vi) पाक - चीन में नवीन संबंध स्थापित हुए।

प्रश्न क्रमांक (7) का उत्तर

उत्तर ⇒ अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रभावित करने वाले कारक नि. लि. हैं।

(1) प्राकृतिक संसाधन ⇒ किसी भी देश का व्यापार वहाँ के प्राकृतिक संसाधनों की विभिन्नता के द्वारा प्रभावित होता है। प्राकृतिक संसाधनों के अंतर्गत वन, वन्य जीव, खनिज, कृषि उपजें आदि आते हैं। इन संसाधनों पर ही देश का उत्पादन निर्भर करता है।

(2) सांस्कृतिक भिन्नता ⇒ विश्व के सभी देश सांस्कृतिक रूप से भिन्न हैं। सभी देशों के रीति - रिवाज, धार्मिक दृष्टिकोण एवं रुचियाँ अलग-2 हैं। इसके कारण उत्पादन एवं माँग भी भिन्न-2 हैं।

(3) जनसंख्या का असमान वितरण ⇒ इससे भी विदेशी व्यापार प्रभावित होता है। अधिक जनसंख्या वाले देशों में निम्न जीवन स्तर के कारण आवश्यक वस्तुओं

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

की माँग अधिक रहती है जबकि कम जनसंख्या वाले देशों में उच्च जीवन स्तर के कारण विलासिता की वस्तुओं की माँग अधिक रहती है।

(iv) परिवहन एवं संचार के साधन ⇒ व्यापार तथा परिवहन एवं संचार के साधनों का घनिष्ठ संबंध है। माल को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचाने एवं उसका विज्ञापन करने के लिए इन साधनों का विकसित होना आवश्यक है।

प्रश्न क्रमांक (१) का उत्तर

उत्तर ⇒ आपदा प्रबंधन ⇒ आपदा प्रबंधन क्रियाकलापों की एक ऐसी श्रृंखला है; जो आपदा से पहले एवं बाद में ही नहीं वरन् एक दूसरे के समांतर चलती रहती है। यह व्यवस्था विस्तार एवं संकुचन मॉडल से भी अधिक है।

आपदा प्रबंधन के प्रमुख तत्व नि. लि. हैं।

(i) पहले से तैयारी ⇒ इसके अंतर्गत आपदा संभावित समुदाय को आपदा के प्रभाव को कम करने के लिए पहले से तैयार रहना चाहिए।

(ii) जवाबी कार्यवाही ⇒ ऐसे उपाय जो

पृष्ठ के अंकों का योग

आपदा से पहले, आपदा के दौरान एवं आपदा के तुरंत बाद अपनाए जाते हैं। जिससे यह सुनिश्चित हो कि आपदा का प्रभाव कम से कम हो।

(iii) सामान्य जनजीवन पर लौटना एवं पुनर्वास
⇒ ऐसे उपाय जो भौतिक आधारभूत सुविधाओं के पुनर्निर्माण, आर्थिक एवं भावात्मक कल्याण की प्राप्ति में सहायक हो।

(iv) रोकथाम एवं दुष्प्रभाव को कम करना ⇒ आपदा की गंभीरता एवं दुष्प्रभाव को कम करने के उपाय इसके अंतर्गत आते हैं।

प्रश्न क्रमांक (9) का उत्तर [अथवा]

उत्तर ⇒ लार्ड मैकाले ने भारत में अंग्रेजी शिक्षा का प्रचार भारतीय राष्ट्रीयता को जड़ से समाप्त करने के उद्देश्य से किया था। वह भारत में अंग्रेजी शिक्षा का प्रचार कर एक ऐसा वर्ग तैयार करना चाहता था जो ब्रिटिश साम्राज्य के हित संवर्द्धन के लिए कार्य करे। परन्तु अंग्रेजी शिक्षा ने भारतीयों को विदेशी बंधन से मुक्त होने की प्रेरणा दी। पाश्चात्य शिक्षा का ज्ञान होने के कारण भारतीय पाश्चात्य सभ्यता, विचार दर्शन, आ

साहित्य एवं शासन प्रणाली से परिचित हुए। रूसो, वाल्टेयर, मैजिनी, बर्क और गैरीबाल्डी के विचारों ने इन्हें अत्यधिक प्रभावित किया।

पाश्चात्य शिक्षा के विचारों का ज्ञान होने के कारण भारतीय राष्ट्रीयता, समानता, स्वतंत्रता एवं लोकतंत्र जैसे आधुनिक विचारों से अवगत हुए।

प्रश्न क्रमांक (12) का उत्तर

उत्तर ⇒ स्वसहायता समूह ⇒ यह गरीब व्यक्तियों का स्वैच्छिक संगठन है। जिसका गठन अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आपसी सहयोग के द्वारा हुआ है।

स्वसहायता समूह के गठन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं।

(1) सामूहिक रूप से संगठित होकर कार्य करने की भावना विकसित करना।

(2) सदस्यों में बेहतर भविष्य के लिए बचतों को बढ़ावा देना।

(3) सदस्यों को ऋण प्रदान करके स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि करना।

(4) अपने सदस्यों में स्वावलंबन की

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

भावना का विकास करना।

प्रश्न क्रमांक (20) का उत्तर

उत्तर ⇒ जल संरक्षण ⇒ जल हमारा एक प्रमुख संसाधन है। पृथ्वी पर रहने वाले प्रत्येक प्राणी को जीवित रहने के लिए जल की आवश्यकता होती है। पीने के साथ-2 जल सिंचाई के लिए, जल-विद्युत के उत्पादन एवं दैनिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में इसकी आवश्यकता होती है परन्तु आजकल जल के निरंतर बढ़ते हुए प्रदूषण एवं अपव्यय के कारण संसार भर में जल का संकट उत्पन्न हो गया है। ग्रीष्म ऋतु में लगभग सम्पूर्ण भारत में जल-संकट काफी विकट हो जाता है। अत: इसका संरक्षण आवश्यक है क्योंकि जिस तरह से इसका अपव्यय हो रहा है तो यह शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। पृथ्वी के केवल 21% भाग पर ही जल पाया जाता है। अत: जल संकट से सुरक्षा हेतु इसका नियंत्रित एवं कम उपयोग करके इसका संरक्षण किया जाना चाहिए। यही कारण है कि जल के संरक्षण की आज महती आवश्यकता है।

पि.टी.ओ.

पृष्ठ के अंकों का योग

मध्यप्रदेश

जल संरक्षण के उपाय नि. लि. हैं।

(1) पर्वतीय एवं पहाड़ी ढलानों पर सीढ़ीनुमा खेत बनाकर कृषि की जाए ताकि वर्षा के जल का पूर्ण उपयोग हो।

(2) वर्षा के जल का संग्रह करना एवं इसके अपवाह को रोकना।

(3) छोटे - बड़े सभी जल संभरों का वैज्ञानिक प्रबंध करना।

(4) जल का उपयोग सीमित एवं नियंत्रित तरीके से करना।

(5) जल के अपव्यय एवं इसके प्रदूषण को रोकना।

प्रश्न क्रमांक (11) का उत्तर [अथवा]

उत्तर => संघात्मक शासन प्रणाली की प्रमुख विशेषताएँ नि. लि. हैं।

(1) दोहरी सरकारें => भारत में राज्य और संघ दोनों में ही सरकारें हैं। संघ में राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली कार्यपालिका एवं जनप्रतिनिधियों की व्यवस्थापिका है। इसी तरह राज्य में भी कार्यपालिका एवं व्यवस्थापिका है। जिसमें राज्यपाल एवं मुख्य मंत्री के नेतृत्व में है

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

तथा जनप्रतिनिधियों वाली विधानसभा है। यह व्यवस्था दोहरी सरकारें कहलाती है।

(2) संविधान का लिखित स्वरूप एवं सर्वोच्चता
⇒ संघात्मक शासन प्रणाली में संविधान का लेखबद्ध होना आवश्यक है। यह देश का सर्वोच्च कानून होता है। संघ एवं प्रान्त सरकारों को संविधान की व्यवस्थाओं का पालन करना पड़ता है। संविधान की सर्वोच्चता बनाए रखने के लिए इसमें संशोधन की प्रक्रिया को कठोर बनाया गया है।

(3) न्यायपालिका की सर्वोच्चता एवं निष्पक्षता
⇒ संघात्मक शासन व्यवस्था में न्यायपालिका की सर्वोच्चता एवं निष्पक्षता आवश्यक है। भारतीय सर्वोच्च न्यायालय संविधान का रक्षक है। संविधान के प्रतिकूल लिए गए निर्णयों एवं बनाए गए कानूनों को यह अवैध घोषित कर सकता है। सर्वोच्च न्यायालय की निष्पक्षता को बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रावधान संविधान में किए गए हैं।

(4) द्विसदनात्मक व्यवस्थापिका ⇒ संघात्मक शासन व्यवस्था के अनुरूप भारतीय व्यवस्थापिका के दो सदन हैं। प्रथम सदन है - 'लोकसभा' तथा द्वितीय सदन है 'राज्यसभा।' राज्यसभा राज्यों का प्रतिनिधित्व

P.T.O.

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

करती है। राज्यसभा के सदस्य जनता द्वारा अप्रत्यक्ष चुनाव द्वारा चुनकर आते हैं जबकि लोकसभा के सदस्य प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित होकर आते हैं।

प्रश्न क्रमांक (6) का उत्तर

उत्तर⇒ कच्चे माल के आधार पर उद्योग 3 प्रकार के होते हैं।

① वन आधारित उद्योग ⇒ जिन्हें कच्चा माल वनों से प्राप्त होता जैसे कागज उद्योग

② कृषि आधारित उद्योग ⇒ जिन्हें कच्चा माल कृषि से प्राप्त होता है जैसे जूट उद्योग

③ खनिज आधारित उद्योग ⇒ जिन्हें कच्चा माल खनिजों से प्राप्त होता है। जैसे - लोहा इस्पात उद्योग।

इन कच्चे मालों के बिना उद्योगों को संचालित करना असंभव है।

B